मन की आंखों ने जो देखा वही कैनवास पर उतारा

64 योगिनी की चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन से नवभारत की बातचीत

योगिनी ज्वालामुखी- नेतृत्व की शक्ति

यह योगिनी आदेश और शुद्धिकरण की नीली लौ को धारण कर, मंगल ग्रह के साथी के रूप में, अपने कार्यों में पूर्णता और तीव्रता के साथ भाग्य को आकार देती है.

योगिनी तारा- मातृत्व की शक्ति

योगिनी तारा एक सार्वभौमिक जागृत शक्ति है जो सुरक्षा, उपचार और पालन करती है. वह भावना से नहीं, बल्कि धर्म (कर्तव्य) से कार्य करती है. उनकी शक्ति सभी जीवों की सेवा में है, जो दूसरों को सत्य बोलने और दया के साथ चलने में मदद करती है.

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 7 फरवरी. मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के मितावली गांव में स्थित 64 योगिनी मंदिर पर आधारित 64 देवी स्वरूपों को कैनवास पर जीवंत रूप देने वाली चित्रकार बीना उन्नीकृष्णन की चित्र प्रदर्शनी न केवल स्त्री शक्ति का परिचय दे रही है. बल्कि भारतीय संस्कृति के धर्म और दैवीय स्वरूप का उल्लेख करती दिख रही है. यह कहना था शनिवार को भारत भवन में चित्रों को देखने पहुंचे लोगों का. भवन में सजी यह प्रदर्शनी 8 फरवरी को रात 8 बजे तक दर्शकों के लिये खुली रहेगी. इधर, चित्रकार बीना ने नवभारत से बातचीत में कहा कि जो भी दृश्य मेरे मन की आंखों ने देखा, मैंने उसे ही कैनवास पर उतारा.

योगिनी वनारमुखी- निर्धारण की शक्ति

यह योगिनी एक शांत, स्थायी शक्ति जो भक्ति में निहित है. जो अपने आंतरिक अग्नि और ध्यान से इच्छा को क्रिया में बदलती हैं. इनकी शक्ति इनके संकल्प में है कि उठे, सहन करे, और जो शुरू किया है उसे पूरा करे.

> मैंने 2015 में 64 योगिनी पर आधारित ये चित्र बनाने की शुरुआत की थी. जिसे पूरा करने में मुझे 5 साल लगे, ये सारे चित्र मेरी कल्पना की उपज हैं. जब भी मैंने ब्रश पकड़ा तो जो भी दृश्य मेरे मन की आंखों ने देखा, मैंने उसे ही कैनवास पर उतारा. सभी चित्रों में एक्रेलिक रंगों का उपयोग किया गया है. उन्होंने बताया कि उनके सभी चित्र स्त्री ऊर्जा पर केन्द्रित हैं, जो कि अपने आप में एक कथा कहता हुआ है. महात्रिपुर सुंदरी को पेंट करने का काम शुरू किया था तभी मेरा सामना 64 योगिनी से हुआ. तभी मैंने इसकी शुरुआत की और इसे पूरा करने के बाद इस पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी तैयार की.
>
> **बीना एस उन्नीकृष्णन,** चित्रकार

एआई, भारतीय ज्ञान परंपरा पर कार्यशाला का समापन

भोपाल. बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के पर्यावरण एवं सरोवर विज्ञान विभाग और शासकीय एमएलबी कॉलेज भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में पीएम उषा योजना के अंतर्गत पर्यावरण विज्ञान में आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर पांच दिवसीय संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ. इसमें सीआरआईएसपी और गीक्स ऑफ गुरुकुल नॉलेज पार्टनर रहे. कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एआई तकनीक और पारंपरिक पर्यावरणीय ज्ञान से जोड़ना रहा. कार्यशाला में बावन विद्यार्थियों ने भाग लिया. इसमें अठारह व्याख्यान और प्रायोगिक सत्र आयोजित हुए.

6 दिन में 3000 से अधिक नए सदस्य बने

▶ **श्री हिंदू उत्सव समिति का सनातनी सदस्यता अभियान**

भोपाल, 7 फरवरी. श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा प्रारंभ किए गए सनातनी सदस्यता अभियान के तहत छह दिनों में 3 हजार से अधिक नए सदस्य बने हैं. रविवार, 8 फरवरी को सुबह 11 बजे दुर्गा चौक, तलैया में सदस्यता आयोजन संपन्न होगा. 10 फरवरी को संजीव नगर लालघाटी में सुबह 11 बजे सनातनी सदस्यता अभियान शुरू होगा.

समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि संगठन ने आगामी एक वर्ष में एक लाख सनातनी सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है. इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भोपाल के प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और बस्ती में निरंतर जनसंपर्क एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है. मातृशक्ति, युवा वर्ग, बहनें तथा वरिष्ठजन—सभी वर्ग इस अभियान से जुड़कर सनातन एकता के इस पावन प्रयास को सशक्त बना रहे हैं.

> उल्लेखनीय है कि श्री हिंदू उत्सव समिति का यह सनातनी सदस्यता अभियान 2 फरवरी को दुर्गा मंदिर, पटेल नगर से प्रारंभ हुआ था. यह अभियान तीन दिनों तक दुर्गा मंदिर पटेल नगर में तथा इसके पश्चात तीन दिनों तक भवानी चौक, सोमवारा में संचालित किया गया. इन मात्र छह दिनों में 3000 से अधिक नए सदस्य समिति से जुड़े हैं.

आरएनटीयू में 'शोध शिखर 2026' का समापन

हरित प्रौद्योगिकी और सतत विकास लक्ष्यों पर हुआ मंथन

भोपाल, 7 फरवरी. रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 6 एवं 7 फरवरी को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'शोध शिखर 2026' के पांचवें संस्करण का समापन हुआ. सम्मेलन की थीम 'इनोवेशन फॉर इम्पैक्ट: एडवांसिंग ग्रीन टेक्नोलॉजीज़ एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (स्ङ्घत्रह्य)'है, जिसके अंतर्गत हरित प्रौद्योगिकी, सतत विकास लक्ष्यों, नवाचार तथा शोध आधारित समाधानों पर गहन विचार-विमर्श किया गया.

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश तिवारी, सहायक आचार्य महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश पाथी, अकाउंट आफिसर जवाहरलाल नेहरू कैंसर हास्पिटल भोपाल, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति, स्कोप ग्लोबल स्किल विश्वविद्यालय, भोपाल; डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो-चांसलर, आरएनटीयू; प्रो. रवि प्रकाश दुबे, कुलगुरु, आरएनटीयू, और डॉ नितिन वत्स, डायरेक्टर आईक्यूएसी, डॉ बसंत सिंह, प्रो-वाइस चांसलर सीवीआरयू वैशाली, बिहार, डॉ गौरव शुक्ला, प्रो-वाइस चांसलर आईसेक्ट विश्वविद्यालय हजारीबाग झारखंड, डॉ रचना चतुर्वेदी की उपस्थिति रही. मुख्य अतिथि डॉ. तिवारी ने कहा कि शोध और नवाचार के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी समाधान संभव है.

एक नजर में

रेलकर्मियों के बच्चों के लिए भरतनाट्यम कक्षा शुरू

भोपाल (विशेष संवाददाता). हबीबगंज रेलवे कॉलोनी में रेलवे कर्मचारियों के बच्चों के लिए भरतनाट्यम नृत्य कक्षा का शुभारंभ किया गया. यह पहल नृत्याति कलाक्षेत्रम के तहत शुरू की गई है. कक्षा का उद्घाटन पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, भोपाल की अध्यक्ष अनीता त्यागी ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर उन्होंने औपचारिक शिक्षा के साथ नृत्य और संगीत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कलात्मक प्रशिक्षण बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता है. कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और बच्चों ने इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा मिलेगा.

महापौर ने किया क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित

भोपाल. महापौर मालती राय ने शनिवार को टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरस्कारों का वितरण किया. यह आयोजन डीआरएम कार्यालय के सामने रेलवे कॉलोनी मैदान पर किया गया. यहां पर पश्चिम मध्य रेलवे के ओबीसी रेलवे एम्प्लायज वेलफेयर एसोसिएशन भोपाल मंडल एवं मंडल में संचालित शाखाओं द्वारा अंतर विभागीय टेनिस बॉल क्रिकेट का आयोजन किया गया था. इस अवसर पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, खेल प्रशंसक व आयोजन समिति के सदस्यगण मौजूद थे.

मानव विज्ञान कार्यशाला में संस्कृति और ज्ञान का संगम

भोपाल. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल में आयोजित मानव विज्ञान एवं संग्रहालय विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दूसरे दिन शैक्षणिक व्याख्यान प्रदर्शनी भ्रमण और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं. कार्यक्रम का संचालन काजल हांसदा ने किया. मुख्य वक्ता प्रो. सुनील उमराव ने अपने व्याख्यान में संग्रहालय को संवाद अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक संप्रेषण का सशक्त माध्यम बताया. संग्रहालय निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे ने संग्रहालयों की शैक्षणिक सामाजिक और सामुदायिक भूमिका पर अपने विचार रखे. व्यावहारिक सत्र में प्रतिभागियों ने मरुस्थलीय तटीय ग्राम जनजातीय आवास और हिमालयी ग्राम प्रदर्शनी का अवलोकन किया. डॉ. सूर्य कुमार पांडे ने बताया कि प्रतिभागियों को पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और सांस्कृतिक व्याख्या को समझने का अवसर मिला. सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने लोकनृत्य, समूह नृत्य, पर्यावरण विषयक गीत पारंपरिक परिधान प्रस्तुति और विभिन्न भाषाओं में कविता पाठ प्रस्तुत किया.

सागर फैन्स क्लब ने जीती भोपाल ट्राफी

भोपाल, 7 फरवरी. एमसीसी मैदान 1100 क्वाटर्स पर भोपाल ट्राफी टेनिस बॉल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शनिवार को फाइनल मैच मीरान्स नदीम इलेवन और सागर फैन्स के बीच खेला गया.

मीरान्स नदीम इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में घनश्याम के 58 रन की मदद से 113 रन बनाये. सागर फैन्स क्लब क्लब ने अन्नू तामोट के 61 रन की मदद से 113 रन के लक्ष्य को 9 ओवर में 3 विकेट खोकर प्राप्त कर लिया. मैन ऑफ द मैच सागर फैन्स क्लब के अन्नू तामोट, मैन ऑफ द सीरिज जेएनयू के अनस को. बेस्ट बेट्समैन मीरान्स नदीम इलेवन के घनश्याम, बेस्ट बॉलर सागर फैन्स क्लब के इमरान, बेस्ट फील्डर आयुष नेगी को दिया गया.

गजानन महाराज का प्राकट्य दिवस आज

भोपाल. दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में शेगांव (महाराष्ट्र) के संत गजानन महाराज का 148वाँ प्राकट्य दिवस रविवार को मनाया जाएगा. इस अवसर पर रविवार सुबह 9:30 बजे गर्भगृह परिक्रमा में विराजमान संत श्री गजानन महाराज का यजमान द्वारा पंडितजनों के सान्निध्य में अभिषेक, पूजन, अर्चना, आरती एवं हवन किया जाएगा. इसके बाद सुबह 10:00 बजे से अमृत ग्रुप महिला मंडल, अयोध्या नगर द्वारा भक्तिभावपूर्वक सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम के समापन पर श्री गजानन महाराज को भोग अर्पित कर भक्तों को प्रसाद वितरण किया जाएगा.

थिंक गैस का जागरुकता अभियान शुरू

▶ **अभियान के तहत 3,000 से अधिक कनेक्शन्स जोड़ने का लक्ष्य**

भोपाल, 7 फरवरी. भारत की सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों में से एक, थिंक गैस ने पेट्रोलियम और नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड (पीएनजीआरबी) के सहयोग से शनिवार को भोपाल में नेशनल पीएनजी ड्राइव 2.0 जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया. यह अभियान रामेश्वर शर्मा हुजूर विधायक, अंजनी कुमार तिवारी, मेंबर (कमर्शियल), पीएनजीआरबी; तथा अभिलेश गुप्ता, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, थिंक गैस की उपस्थिति में किया गया. इसका उद्देश्य उन अधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों में, जहाँ कोर पाइपलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से मौजूद है, पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) को तेजी से अपनाने को बढ़ावा देना है.

नेशनल पीएनजी ड्राइव 2.0 के तहत, थिंक गैस का लक्ष्य 1 जनवरी से 31 मार्च के बीच भोपाल में 3,000 से अधिक घरेलू पीएनजी कनेक्शन्स जोड़ने का है, जिससे शहर में स्वच्छ और सुरक्षित कुकिंग फ्यूल तक पहुंच को और मजबूत किया जा सके. अभियान की शुरुआत के मौके पर, अंजनी कुमार ने सलैया स्थित आकृति ग्रीन्स सोसायटी में एक घरेलू पीएनजी कनेक्शन को औपचारिक रूप से चालू किया.

कम्युनिटी पुलिसिंग को मिली नई मजबूती

निशातपुरा थाना क्षेत्र में 'सृजन' कार्यक्रम का समापन

विशेष संवाददाता
भोपाल, 7 फरवरी. राजधानी के निशातपुरा थाना क्षेत्र में आयोजित 16 दिवसीय कम्युनिटी पुलिसिंग पहल 'सृजन' का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया. यह कार्यक्रम पुलिस विभाग और मुस्कान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें गांधी नगर, आरिफ नगर, कमला नगर और एहसान नगर के लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया.

यह पहल पुलिस और आमजन के बीच साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है. शिविर में बच्चों को आत्मरक्षा, व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित हो सके. समापन समारोह में डीआईजी डॉ. विनीत कपूर, डीआईजी किरण लता केरकेट्टा, डीसीपी जोन-4 मयूर खंडेलवाल, एआईजी अमृत मीणा और एसीपी अक्षय चौधरी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे.

> कार्यक्रम में बच्चों ने मराठी और गोंडी लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं. मार्शल आर्ट प्रदर्शन और पावर वॉक कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे, जो शक्ति, आत्मविश्वास और सुरक्षा का प्रतीक बने. एक भावनात्मक क्षण तब देखने को मिला जब मयूर खंडेलवाल ने पुलिस वर्दी में सजी अपनी पुत्री को आईपीएस कैप पहनाई, जिसने बच्चों को गरिमा के साथ समाज सेवा का सपना देखने के लिए प्रेरित किया.

दृष्टिबाधित, ऑटिस्टिक युवाओं ने संगीत से शाम में भरा रंग

रवीन्द्र भवन में पर्ल म्यूजिकल नाइट विद स्पेशल टैलेंट्स कार्यक्रम

नवभारत प्रतिनिधि
भोपाल, 7 फरवरी. जीवन के दिन छोटे सही, मेघा छाए आधी रात जैसे गीतों की गूंज जब शनिवार शाम रवीन्द्र भवन में बही तो पूरा सभागार सुरों और भावनाओं से सराबोर हो गया. यह अवसर था पर्ल म्यूजिकल नाइट विद स्पेशल टैलेंट्स कार्यक्रम का. कार्यक्रम में दृष्टिबाधित और ऑटिस्टिक युवाओं की विशेष भागीदारी से कार्यक्रम की रौनक और बढ़ गई.

जहां संगीतकारों के बीच देखने को मिला, एक ऐसा जहां, जिसमें केवल संगीत ही नहीं बल्कि संवेदना और प्रेरणा की झलक भी दिखी. कार्यक्रम का आयोजन समाज में विशेष प्रतिभाओं को मंच देने और समावेशिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब भोपाल पर्ल द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से एम्पल ड्रीम्स एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया.

इस संगीतमय संध्या में लगभग में कुल 14 कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी.

इन कलाकारों ने दी प्रस्तुति

संगीतकारों में रुचिका पांडे, गीतिका लोहाट, तान्या शर्मा, मनोज तोमर और हुसैन की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावुक ही कर दिया. वहीं लायंस क्लब सदस्यों और अन्य कलाकारों की प्रस्तुतियों पर सभागार तालियों से गूंज उठा. संगीत की आवाज के साथ मंच पर गिटार वादकों की संगत ने शाम को और गुलजार कर दिया. कार्यक्रम का आयोजन समाज में संवेदनशीलता और विशेष प्रतिभाओं के सम्मान का मजबूत संदेश देकर गया. जिसकी अध्यक्षता संजय वर्मा ने की.

चिकित्सा विज्ञान ▶ एम्स भोपाल ने किया शोध, माइक्रोसर्जिकल फ्री फ्लैप तकनीक से मरीजों को राहत

करंट से झुलसे मरीजों के जले अंग हो सकेंगे ठीक

नवभारत प्रतिनिधि,
भोपाल, 07 फरवरी. हाईटेंशन बिजली लाइन के करंट से झुलसे मरीजों को अपने अंग बचाने के लिये और बेहतर जीवन देने एम्स भोपाल ने नया अध्ययन किया है. जो कि बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम का शोध, अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित प्लास्टिक सर्जरी जर्नल में प्रकाशित हुआ है.

शोध का नेतृत्व डॉ गौरव चतुर्वेदी ने किया. टीम में डॉ. अभिनव सिंह, डॉ. वेद प्रकाश राव चेपुडु और डॉ. मनाल मोहम्मद खान शामिल रहे. विभाग प्रमुख डॉ. खान ने बताया कि यह शोध जटिल मामलों के इलाज में नई दिशा देता है. शोध में पाया गया कि मरीज की शरीर की स्थिति देखकर सही समय पर सर्जरी करने से अंग बचाने की संभावना बढ़ जाती है. वहीं जल्दबाजी में सर्जरी करने से जटिलताएं बढ़ सकती हैं. इस तकनीक में फ्लैप जीवित रहने की दर 87 प्रतिशत पाई गई है.

23 मरीजों पर किया गया शोध: शोध, संस्थान में इलाज कराने गए 23 मरीजों पर किया गया. इन मरीजों का इलाज माइक्रोसर्जिकल फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण तकनीक से किया गया. इसमें शरीर के दूसरे हिस्से से टिशू लेकर जले हुए हिस्से को ठीक किया जाता है.

क्या है माइक्रोसर्जिकल फ्री फ्लैप तकनीक

माइक्रोसर्जिकल फ्री फ्लैप पुनर्निर्माण तकनीक एक आधुनिक शल्य विधि है. जिसमें शरीर के स्वस्थ हिस्से से मशल्स निकालकर क्षतिग्रस्त हिस्से में प्रत्यारोपित किए जाते हैं. इसे माइक्रोस्कोप की सहायता से सूक्ष्म रक्त नलिकाओं को जोड़ा जाता है, जिससे रक्त प्रवाह बहाल होता है और अंग की संरचना व कार्यक्षमता फिर से स्थापित की जाती है.

शोध से मरीजों को लाभ

इस तकनीक से हाई वोल्टेज बिजली करंट से झुलसे मरीजों को लाभ होगा. इसमें गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के हाथ, पैर या अन्य अंग काटने की जरूरत कम हो सकती है. इसमें मरीजों को उनके जले हुये शरीर के हिस्से को ठीक किये जा सकता है.

उदयगिरि गुफाओं में पहुंचे बीएसएसएस के युवा

भोपाल. भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) के पर्यटन छात्रों ने पर्यटन गांव गदरखेड़ी, भरतीपुर का दौरा किया, साथ ही ऐतिहासिक सांची स्तूप और उदयगिरि गुफाओं का भी दौरा किया. इस दौरे का उद्देश्य राज्य की ग्रामीण और विरासत पर्यटन पहलों पर अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करना था. इस दौरे में बीएसएसएस से डॉ. सुषमा सुनीता तिर्की, प्रियंका सिन्हा और पूजा मिश्रा, प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव- स्किल, मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड भी साथ थे. गदरखेड़ी होमस्टे, जिसका नाम जयंशी होमस्टे और सोनाली जंगल होमस्टे है, के दौरे ने छात्रों को समुदाय-आधारित पर्यटन से परिचित कराया.